11. सर्वनाम तथा सर्वनाम के भेद

7/8/21

सर्वनाम शब्द सर्व तथा नाम को मिलकर बना है। सर्व शब्द का अर्थ होता है - सब तथा नाम शब्द संज्ञा का ही पर्याय है। अतः सर्वनाम शब्द का अर्थ होगा - वह शब्द जो सब नामों (संज्ञा को) के स्थान पर प्रयुक्त हो सकता है।

★ सर्वनाम की परिभाषा - वाक्यों में संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होनेवाले शब्दों को सर्वनाम कहा जाता है। वाक्य में सर्वनाम भी वही प्रकार्य करते हैं, जो संज्ञा शब्द करते हैं। सर्वनाम के छह भेद होते हैं।

सर्वनाम के भेद
- पुरुषवाचक :- मैं, हम, तू, तुम, आप, वह, वे
- निश्चयवाचक :- यह, वह
- अनिश्चयवाचक :- कोई, कुछ
- प्रश्नवाचक :- कौन, क्या
- संबंधवाचक :- जो --- सो (वह)
- निजवाचक :- अपने आप (स्वयं, खुद)

1) पुरुषवाचक सर्वनाम - बोलनेवाले, सुननेवाले तथा जो उपस्थित नहीं है, उन सर्वनामों को पुरुषवाचक कहा जाता है।
जैसे - 1) मैं बैठा हूँ। 2) तुम जा रहे हो। 3) वह आएगा।
इस तरह वक्ता अपने लिए जिन सर्वनाम शब्दों को प्रयुक्त करता है, वे उत्तम पुरुष, श्रोता के लिए जिन सर्वनाम शब्दों को प्रयुक्त करता है वे मध्यम पुरुष तथा किसी तीसरे (अन्य) व्यक्ति के लिए जिन सर्वनाम शब्दों को प्रयुक्त करता है, वे अन्य पुरुष को सर्वनाम कहलाते हैं।

(i) उत्तम पुरुष :- जिन सर्वनामों का प्रयोग वक्ता द्वारा अपने लिए किया जाता है, वे उत्तम पुरुष के सर्वनाम कहलाते हैं। इसके अंतर्गत मैं (एकवचन) तथा हम (बहुवचन) आते हैं।
1) मैं कल कश्मीर जा रहा हूँ। 2) मैंने मेरा काम कर दिया है।
3) हम इसी शहर के निवासी हैं। 4) हमें किसी से कोई शिकायत नहीं।

(ii) मध्यम पुरुष :- श्रोता के नाम के स्थान पर जिन सर्वनामों का प्रयोग वक्ता द्वारा किया जाता है, वे मध्यम पुरुष के सर्वनाम कहलाते हैं। उदाहरण :- तू, तुम, तथा आप है।

एकवचन	बहुवचन
1) मीरा! कल तुम स्कूल मत जाना	1) बच्चो, तुम लोग क्या कर रहे हो?

(iii) अन्य पुरुष :- वक्ता या श्रोता के द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के स्थान पर जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, वे अन्य अन्य पुरुष के सर्वनाम कहलाते हैं। इसके अंतर्गत एकवचन में वह तथा बहुवचन में वे रूप प्रयुक्त होते हैं।

2) निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनामों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का पता चलता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहा जाता है। यह तथा ये का प्रयोग निकट की वस्तुओं के लिए होता है और वह तथा वे का प्रयोग दूर की वस्तुओं के लिए होता है।
यह / ये - समीर! यह क्या कर रहे हो?
अरे! ये तो खराब हो गया है। (खराब फल की ओर इशारा करते)
वह / वे - वह (इशारा करते हुए) क्या चमक रहा है?
वे कौन हैं? उनको पहले तो कभी नहीं देखा।

3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम - जब किसी व्यक्ति या वस्तु के बारे में निश्चय न हो कि वह व्यक्ति कौन है या वह वस्तु क्या है, तब जिन सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
उदाहरण :
1) शायद बाहर कोई खड़ा है।
2) आप से मिलने कोई आया है।
3) बाजार से कुछ ले आइएगा।

4) प्रश्नवाचक सर्वनाम :- कई बार किसी व्यक्ति या वस्तु के बारे मे प्रश्न उठते रहते है कि वह व्यक्ति कौन है या वह वस्तु क्या है? ऐसी स्थिती में उस व्यक्ति या वस्तु के स्थान पर हम प्रश्नवाचक सर्वनामों का प्रयोग करते हैं। हिंदी मे कौन (व्यक्ति के लिए) क्या, कौन-सा, कौन-सी (वस्तुओं घटना) के लिए] प्रश्नवाचक सर्वनाम है।

उदाहरण :-
1) तुम्हे क्या चाहिए?
2) तुम कहा गए?
3) आप क्या लेना पसंद करोगे?

5) संबंधवाचक सर्वनाम :- मिश्र वाक्यों में एक प्रधान उपवाक्य होना है और शेष आश्रित उपवाक्य। जो, जिसे ये सर्वनाम आश्रित उपवाक्यों का प्रधान उपवाक्य के साथ संबंध जोड़ने का कार्य करते हैं, इनको संबंधवाचक सर्वनाम कहा जाता है।

उदाहरण :-
1) जो चोरी करता है वह अवश्य पकड़ा जाता है।
2) वह मकान गिर गया, जिसकी दीवार कच्ची थी।
3) जो परिश्रम करता है, वह सदा सफल होता है।

6) निजवाचक सर्वनाम :- निज शब्द का अर्थ होता है- अपना। जिन सर्वनामों का प्रयोग व्यक्ति अपने लिए करता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते है।
हिंदी में - स्वयं, अपने-आप, आप ही, खुद आदि निजवाचक सर्वनाम है।

1) वह खुद खाना बना सकती है।
2) अब यह काम मैं स्वयं करूंगी।
3) आप यही रहे, वह अपने-आप सँभाल लेगा।